प्रसार शिक्षा निदेशालय
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

प्रसार शिक्षा परिषद की पंचम बैठक का कार्यवाही विवरण

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की प्रसार शिक्षा परिषद की पंचम बैठक दिनांक 12.07.2024 (शुक्रवार) प्रातः 11.00 बजे प्रो. ए.के. व्यास, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें निम्न पदाधिकारियों ने भाग लिया–

1.	प्रो. ए.के. व्यास, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2.	डॉ. पी.एन. कल्ला, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य
3.	डॉ. सुदेश कुमार, निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
4.	डॉ. अशोक कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प., आई.आई.एस.डब्ल्यू.सी.आर.सी., कोटा	सदस्य
5.	डॉ. पी.के. सिंह, संयुक्त निदेशक, (उद्यान) कोटा खण्ड, कोटा	सदस्य
6.	श्री सत्यनारायण पाठक, (प्रतिनिधि) अतिरिक्त निदेशक (कृषि), कोटा खण्ड, कोटा	सदस्य
7.	डॉ. आई. बी. मोर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
8.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
9.	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
10.	डॉ. एन.एल. मीणा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली	सदस्य
11.	डॉ. महेन्द्र सिंह, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
12.	डॉ. जितेन्द्र सिंह, निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
13.	डॉ आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
14.	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम. एण्ड ई., कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
15.	डॉ. डी.के. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)	सदस्य
16.	डॉ. हरीश वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	सदस्य
17.	डॉ. ताराचन्द वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड	सदस्य
18.	डॉ. बी.एल. ढाका, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	सदस्य
19.	डॉ. बच्छु सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन(करौली)	सदस्य

20.	डॉ. बी.एस. मीणा, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (शस्य विज्ञान)	सदस्य
21.	डॉ. प्रीति वर्मा, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन)	सदस्य
22.	डॉ. एस.बी.एस. पाण्डे, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (सिल्वी कल्चर एवं कृषि वानिकी)	सदस्य
23.	डॉ. एम.के. शर्मा, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन)	सदस्य
24.	डॉ. बी.के. पाटीदार, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (कीट विज्ञान)	सदस्य
25.	डॉ. के.सी. मीणा, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (कृषि प्रसार शिक्षा)	सदस्य
26.	श्री रेखराज धाकड, एक्सईएन, (सीएडी) आरएमसी–1, कोटा	सदस्य
27.	श्री लालाराम चौधरी, क्षेत्रीय प्रबन्धक, इफको, कोटा	सदस्य
28.	श्री महेन्द्र चौधरी, वरिष्ठ मार्केटिंग अधिकारी, राष्ट्रीय बीज निगम, कोटा	सदस्य
29.	श्री अवधेश कुमार मिश्रा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, एन.एच.ए.आर.डी.एफ., कोटा	सदस्य
30.	श्री रवीन्द्र स्वामी, प्रगतिशील कृषक, गोलाना, झालावाड़	सदस्य
31.	श्री गजानन्द जाट, प्रगतिशील कृषक, कुस्तला, सवाईमाधोपुर	सदस्य
32.	श्री बृजमोहन मीणा, प्रगतिशील कृषक, चौमाकोट, कोटा	सदस्य
33.	श्री रामधन रैगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	विशेष आमंत्रित
34.	डॉ. एस.सी. शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी, माननीय कुलपति महोदय	विशेष आमंत्रित
35.	डॉ रूप सिंह, विषय विशेषज्ञ (पौध सरंक्षण), कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	रेपोर्टीयर
36.	डॉ अरविन्द नागर, विषय विशेषज्ञ (उद्यान), कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	रेपोर्टीयर
37.	डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	**सदस्य सचिव**

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। डॉ. एस.के. जैन, निदेशक, प्रसार शिक्षा द्वारा माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया गया तथा कृषि विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों एवं प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक के उद्देश्य के बारे में सभी सदस्यों को अवगत कराया। तत्पश्चात् माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक के विभिन्न एजेंडा प्रस्तुत किये गए जिन पर चर्चा उपरान्त निम्न निर्णय लिए गए –

EEC-5/ 2024 /01: **दिनांक 27 फरवरी २०२१ को आयोजित प्रसार शिक्षा परिषद् की चतुर्थ बैठक के कार्रवाई विवरण की पुष्टि करने बाबत**

निर्णयः दिनांक 27 फरवरी २०२१ को आयोजित प्रसार शिक्षा परिषद् की चतुर्थ बैठक के कार्रवाई विवरण को पुष्टि हेतु प्रस्तुत किया गया। कार्रवाई विवरण पर कोई टिप्पणी न होने की दशा में सर्वसम्मति से स्वीकार कर पुष्टि की गई ।

EEC-5/ 2024 /02: **दिनांक 27 फरवरी २०२१ को आयोजित प्रसार शिक्षा परिषद् की चतुर्थ बैठक के कार्रवाई विवरण पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट**

निर्णय: दिनांक 27 फरवरी २०२१ को आयोजित प्रसार शिक्षा परिषद् की चतुर्थ बैठक के कार्रवाई विवरण पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसे निम्न संकल्प के साथ सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया –

1. कृषि विज्ञान केंद्र, कोटा द्वारा **पशु–पालन** तथा **खाद्य– प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन** विषयों पर कौशल दक्षता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आरम्भ किये जाने के प्रस्ताव आगामी अकादमिक परिषद् की बैठक में प्रस्तुत किये जाएँ
   (कार्रवाई: वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, कोटा)

EEC-5/ 2024 /03: **प्रसार शिक्षा निदेशालय तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों का वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन (वर्ष २०२१–२०२४)**

निर्णय: प्रसार शिक्षा परिषद के सचिव डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा ने निदेशालय के साथ–साथ 6 कृषि विज्ञान केन्द्रों (कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड़, सवाईमाधोपुर एवं करौली) द्वारा मार्च 2021 से जून 2024 में की गई विभिन्न गतिविधियों पर विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. ताराचन्द वर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. हरीश वर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. डी.के. सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र सवाईमाधोपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बी.एल. ढाका एवं कृषि विज्ञान केन्द्र करौली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बच्छु सिंह द्वारा अपने–अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत तीन वर्षों की मुख्य उपलब्धियाँ एवं आगामी कार्य योजना के मुख्य बिन्दु के बारे में सभी सदस्यों को अवगत कराया गया तथा आगामी वर्ष की योजना के लिए सभी सदस्यों से सुझाव आंमत्रित किये गये।

तदोपरान्त माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यगणों से उनके विचार एवं प्रतिक्रियायें ली एवं कृषक हितार्थ प्रसार शिक्षा कार्य को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावशाली बनाने हेतु सदस्यगणों से प्राप्त निम्न सुझावों को सम्मिलित किया गया।

- कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थापित नर्सरी इकाईयों को राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त हेतु प्रयास करें ।
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के फार्म पर एक एकड़ का समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल शीघ्र विकसित किए जाए।
- केन्द्रों पर आयोजित खुदरा उर्वरक विक्रेता प्रशिक्षण एवं कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा (देसी) कार्यक्रम में आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं विनियमन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान करवाये जावें।

- लहसुन की पूर्व में अधिसूचित किस्मों एवं तकनीकियों का कृषि अनुसंधान केन्द्र एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों पर परिक्षण करवाकर उपयुक्त किस्मों/तकनीकीयों को संभाग की POP में सम्मिलित करें।
- केन्द्र द्वार आयोजित अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के प्रक्षेत्र दिवसों के आयोजन पर स्थानीय स्तर के कृषि अधिकारी एवं कृषि प्ररिवेक्षकों की सहायता से निकटवर्ती गाँवों के किसानों को भी कार्यक्रम में सम्मिलित किया जाए।
- RAWE/READY कार्यक्रमों के अन्तर्गत विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की अन्य इकाईयों पर 2–3 दिन का एक्सपोजर भ्रमण करवाया जाए।
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के पास बीज उत्पादन एवं विक्रय लाइसेंस होना चाहिए।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा खरीफ एवं रबी मौसम से पूर्व बीज मेला करवायें जाये।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित प्रक्षेत्र परिक्षणों के परिणामों को उचित माध्यम से संभाग की POP में सम्मिलित किये जाए।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षणों में नाबार्ड, बैंकर्स एवं मार्केटिंग विशेषज्ञों के व्याख्यान करवाऐं जावें।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसान सारथी पोर्टल पर किसानों का अधिक पंजीकरण करवाया जाए।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा जिले के प्रगतिशील किसानों/कृषि उद्यमियों की सफलता की कहानियों का प्रकाशन किया जाए।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर में जौ की खेती को बढावा दिया जाए।
- कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा द्वारा संभाग की प्रमुख फसलों में कृषि ड्रोन के उपयोग की मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तैयार की जावे ।
- गेहूँ की राज. क्रम की किस्मों के अलावा अन्य उन्नत किस्मों का कृषि अनुसंधान केन्द्र एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों पर परिक्षण करवाकर संभाग के लिए उपयुक्त किस्मों को संभाग की POP में सम्मिलित करना ।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की बाउण्ड्री वाल पर टिम्बर प्रजाति के वृक्ष लगाकर कृषि वानिकी घटक को प्रसार कार्यों में सम्मिलित करें तथा कृषि वानिकी हेतु वन विभाग में पंजीकरण इत्यादि आवश्यक कार्यवाही कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की जाऐ।
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर लो टनल तकनीक इकाई पर जिले के किसानों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करना चाहिए।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम में मौसम एवं बाजार सम्बन्धित सलाह को किसानों तक पहुंचाया जाए।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित प्रशिक्षणों कार्यक्रमों का "प्रभाव आंकलन" (Impact Assessment) किया जाना चाहिए।
- कृषकों, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं, कृषि उद्यमियों व अन्य हितधारकों की फीडबैक समस्याएँ एकत्रित करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा एक निर्धारित प्रक्रिया एवं आदर्श प्रपत्र विकसित किया जावे ।
- सभी केन्द्रों द्वारा उनके केंद्र से जुड़े हुए अभिनव सफल कृषकों व कृषि उद्यमियों की सफलता की कहानियों को प्रकाशित किया जावे तथा इन कहानियों को केंद्र तथा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किया जावे ।

- सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषक सहभागिता के माध्यम से फसलों की नवीन किस्मों का बीजोत्पादन किया जावे ।
- प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र एक उत्पाद विक्रय केंद्र आवश्यक रूप से स्थापित करे।
- विश्वविद्यालय की तकनीकों का प्रभाव मूल्यांकन किया जावे ।
- शस्योत्तर प्रबंधन, प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन, पादप प्रवर्धन (कलम द्वारा) आदि के अधिक से अधिक प्रशिक्षण करवाए जावे ।
- अधिक से अधिक दीर्घ अवधि के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जावे ।
- रेडी के छात्रों हेतु एक निर्धारित शेड्यूल तथा संचालन दिशानिर्देश विकसित किये जावे।

EEC-5/ 2024 /04: **कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा वर्ष २०२१, २०२२ तथा २०२३ में आयोजित वैज्ञानिक सलाहकार समिति के कार्यवाही विवरण से परिषद् को सूचित करना ।**

निर्णय: परिषद् द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा वर्ष २०२१, २०२२ तथा २०२३ में आयोजित वैज्ञानिक सलाहकार समिति के कार्यवाही विवरण पर संतोष व्यक्त किया गया ।

EEC-5/ 2024 /05: (रिपोर्टिंग आयटम) **कृषि विज्ञान केन्द्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार बनाने हेतु इनके सुदृढीकरण के सुझाव भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् को भिजवाने बाबत ।**

निर्णय: विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् को कृषि विज्ञान केन्द्रों के सुदृढीकरण हेतु निम्न लिखित सुझाव भिजवाए गए -

i. कृषि विज्ञान केन्द्रों में मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष (1), वरिष्ठ वैज्ञानिक (1), विषय वस्तु विशेषज्ञ (05), सहायक प्रशासनिक अधिकारी (01), फील्ड असिस्टंट (02), वरिष्ठ सहायक (01), कनिष्ठ सहायक (01), प्रयोगशाला सहायक (02) के 14 नवीन पद सृजित करते हुए स्टाफिंग पैटर्न को वर्तमान 16 से बढाकर 30 किया जावे ।

ii. कृषि विश्वविद्यालयों के कृषि विज्ञान केन्द्रों में विषय वस्तु विशेषज्ञ के पदों पर कार्यरत कार्मिकों हेतु भी भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के समान **पदोन्नति** की नीति लागू की जावे ।

iii. कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आवश्यकतानुसार पुराने भवनों (प्रशासनिक भवन, प्रशिक्षण हॉल, किसान घर) के जीर्णोद्धार तथा नए भवनों / सुविधाओं (प्रसंस्करण इकाई, मृदा परिक्षण प्रयोगशाला, पक्की चारदीवारी, फार्म रोड, बीज गोदाम, कस्टम

हायरिंग सेंटर, रूफ टॉप सोलर पैनल तथा एग्री स्टार्ट अप्स को बढ़ावा देने के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर आदि की स्थापना) हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जावे।

iv. कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्मिकों को मेजबान संस्था (Host Institute) के प्रावधानों के अनुसार पूर्ण वेतन, भत्ते एवं पेंशन लाभ देय होने चाहिए, केंद्र की कंटिनजेंसी ग्रांट बढ़नी चाहिए तथा विभिन्न कार्यकर्मों हेतु राशि समय से जारी होनी चाहिए।

उपरोक्त सभी सुझावों पर परिषद् द्वारा संतोष व्यक्त किया गया ।

बैठक के अन्त में डॉ. के.सी. मीणा, सह आचार्य (कृषि प्रसार शिक्षा) ने प्रसार शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों का बैठक में उपस्थित होने एवं उनके द्वारा दिये गये सुझावों के लिए आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. एस. के. जैन
निदेशक प्रसार शिक्षा एवं सदस्य सचिव
प्रसार शिक्षा परिषद, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

31.07.2024

डॉ. ए. के. व्यास
कुलपति एवं अध्यक्ष
प्रसार शिक्षा परिषद, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा